निर्माण कामगारों की सुरक्षा पुस्तिका

(विज़न जीरो के सात अनमोल नियमों पर आधारित)

Safety Booklet for Construction Workers

(Based on 7 Golden Rules of Vision Zero Approach)

Indo-German Cooperation for Safety, Health and Wellbeing

IGC-SHW, Noida- 201301 (India)

Website : www.igc-shw.in

VISION ZERO

Safety.Health.Wellbeing.

समर्पण

हम इस सुरक्षा पुस्तिका को उन सभी श्रमिकों, सुपरवाइज़रों, इंजीनियरों एवं सुरक्षा अधिकारियों को समर्पित करते हैं जो हर दिन अपनी सूझबूझ, समर्पण, मेहनत, एवं सुरक्षित कार्य शैली से निर्माण कार्य को दुर्घटना मुक्त बनाये रखते हैं।

अनुरोध

प्रिय कामगार बंधु,

सुरक्षा और स्वास्थ्य हमारे सुखी जीवन का आधार हैं। गली, मोहल्ला, रास्ता, बाज़ार, घर, कार्यस्थल या कोई और जगह जहां हम जाते हो सुरक्षित होने चाहिए। असुरक्षित व्यवहार या स्थल दुर्घटना का कारण बन सकता हैं। हम सभी का यह नैतिक कर्तव्य है कि हम अपने आस पास पाये जाने वाले खतरों को पहचानें, समझे तथा उनकी रोकथाम करने में अपना सम्पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

कार्यस्थल पर भी होने वाली प्रत्येक दुर्घटना के पीछे व्यावहारिक या तकनीकी कारण होते हैं न कि दुर्भाग्य। यदि हम अपने कार्य को बताई गई सुरक्षित कार्य विधि के अनुसार करें तो दुर्घटना और उससे होने वाली क्षति को काफी हद तक रोका जा सकता है।

इस पुस्तिका का उद्देश्य है कि प्रत्येक श्रमिक को सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांतों से परिचित कराया जाये, ताकि कोई भी दुर्घटना, चोट या आर्थिक नुकसान हमारे कामगार बंधुओं को न हो। इस पुस्तिका में कार्यस्थल पर सम्पूर्ण सुरक्षा, स्वास्थ्य और खुशहाली के अनमोल नियमों पर चर्चा की गई है। आपसे अनुरोध है कि आप इसे ध्यान पूर्वक पढ़ें और बताये गये नियमों को अपनी कार्य शैली में अपनाएं।

याद रहे, सुरक्षित और निरोगी मनुष्य ही जीवन का भरपूर आनन्द उठा सकता है।

धन्यवाद

टीम, इंडो-जर्मन कोऑपरेशन फार सेफ्टी, हेल्थ एंड वेलबींइग

Team, Indo-German Cooperation for Safety, Health and Wellbeing

निर्माण स्थल पर सुरक्षा - हम सभी का दायित्व

प्रस्तावना

निर्माण कार्य किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। पुल, सड़क, इमारतें, और कारखाने हमारे विकास का प्रतीक हैं लेकिन इन्हीं स्थानों पर सबसे अधिक दुर्घटनाएँ भी होती हैं। कई बार यह दुर्घटनाएँ जानकारी की कमी, जल्दबाजी या सुरक्षा साधनों की अनदेखी के कारण होती हैं इसी को ध्यान में रखते हुए, यह सुरक्षा पुस्तिका तैयार की गयी है।

निर्माण कार्य में सुरक्षा की ज़रूरत क्यों है?

भारत में लाखों लोग रोजाना निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, हर साल सैकड़ों दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनमें जान-माल का भारी नुकसान होता है। अधिकांश दुर्घटनाएँ हेलमेट, जूते या बेल्ट न पहनना; असुरक्षित मचान या स्कैफोल्डिंग; बिजली या मशीन का गलत उपयोग; पर्याप्त प्रशिक्षण की कमी; जल्दबाजी या थकान के कारण से होती हैं।

निर्माण स्थल पर सुरक्षित कार्य संस्कृति का महत्व

याद रहे कि सुरक्षा केवल सुरक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति - इंजीनियर, पर्यवेक्षक, मजदूर, ड्राइवर, और ठेकेदार की साझा जिम्मेदारी है।

सुरक्षित कार्य संस्कृति (Safety Culture) के कुछ लक्षण:

- एक-दूसरे का ध्यान रखें ।
- कोई भी असुरक्षित कार्य न करें, न करने दे।
- किसी खतरे को देखकर तुरंत रिपोर्ट करें।
- हमेशा उचित निजी सुरक्षा उपकरण जैसे हेलमेट, सुरक्षा जूते, जैकेट एवं बेल्ट का प्रयोग करें।

भारत में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कानूनी ढाँचा

भारत सरकार ने श्रमिकों की सुरक्षा के लिए कई कानून बनाए हैं।

- भवन और अन्य निर्माण श्रमिक (रोजगार विनियमन एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1996 (BOCW अधिनियम) Building and Other Construction Workers (Regulation of Employment and Conditions of Service) Act, 1996 (BOCW Act)
- व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यस्थल स्थिति संहिता, 2020
  Occupational Safety, Health and Working Conditions Code, 2020
- कारखाना अधिनियम 1948 (Factories Act, 1948)
- नेशनल बिल्डिंग कोड (एनबीसी) National Building Code (NBC)
- IS 3696 (भाग 1 और 2) – ऊँचाई पर काम की सुरक्षा
- IS 4081, IS 3764 – खुदाई और विध्वंस कार्यों की सुरक्षा

इन कानूनों के तहत हर ठेकेदार और मालिकों की ज़िम्मेदारी है कि:

- मशीन, उपकरण और कार्यस्थल सुरक्षित रखें।
- श्रमिकों को उचित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) उपलब्ध कराए जाएं।
- कार्यस्थल पर चिकित्सा और प्राथमिक उपचार की उचित सुविधा हो।
- दुर्घटना की स्थिति में सहायता और रिपोर्टिंग की व्यवस्था हो।

विज़न जीरो क्या है?

विज़न जीरो एक अंतरराष्ट्रीय पहल है जिसका लक्ष्य है –

"शून्य दुर्घटनाएँ, शून्य चोट, शून्य बीमारी तथा सम्पूर्ण सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं खुशहाली"

इसका अर्थ है कि निर्माण स्थल पर काम कर रहे हर व्यक्ति को इस सोच के साथ काम करना चाहिए कि हर दुर्घटना रोकी जा सकती है। अगर सभी लोग अपनी जिम्मेदारी समझें और मिलकर सुरक्षा के नियमों का पालन करें तो हम हर दुर्घटना को रोक सकते हैं।

विज़न जीरो का मूल विचार

"हर दुर्घटना टाली जा सकती है। कोई भी कार्य इतना जरूरी नहीं कि उसे हम असुरक्षित तरीके से करें"

इस सुरक्षा पुस्तिका में बताया गया है कि कैसे रोज़मर्रा के कार्यों में सावधानी, अनुशासन और सही तरीके अपनाकर दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। यह केवल नियमों की पुस्तिका ही नहीं, बल्कि एक सुरक्षा संस्कृति (Safety Culture) बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विज़न जीरो के चार मूल सिद्धांत

1. **जीवन अनमोल है, इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता।**
2. **गलती किसी भी इंसान से हो सकती है।**
3. **हर व्यक्ति की सहन करने की एक सीमा होती है।**
4. **हर किसी को उचित और सुरक्षित कार्यस्थल का अधिकार है।**

विज़न जीरो के सात अनमोल नियम (Golden Rules)

1. **नेतृत्व करें – प्रतिबद्धता दिखाएँ**
2. **खतरे पहचानें – जोखिम नियंत्रित करें**
3. **लक्ष्य तय करें – योजना बनाएं**
4. **सुरक्षित और सशक्त प्रणाली सुनिश्चित करें**
5. **मशीन, उपकरण और कार्यस्थल सुरक्षित रखें**
6. **कौशल और प्रशिक्षण बढ़ाएँ**
7. **लोगों को प्रेरित करें – सहभागिता बढ़ाएँ**

यदि हम विज़न जीरो के उक्त सात नियमों का पालन करें, तो इन घटनाओं को लगभग पूरी तरह से रोका जा सकता है।

याद रहे, "जब तक हर व्यक्ति सुरक्षित कार्यप्रणाली को अपनी आदत नहीं बनाएगा, तब तक विज़न जीरो का उद्देश्य पूरा नहीं होगा"

पहला अनमोल नियम (Golden Rule-1)

नेतृत्व करें – प्रतिबद्धता दिखाएँ

(Take Leadership - Demonstrate Commitment)

हर निर्माण स्थल पर सुरक्षा तभी संभव है जब नेतृत्व (Leadership) और प्रतिबद्धता (Commitment) सबसे ऊपर हो। जब कार्यस्थल प्रभारी , इंजीनियर या ठेकेदार खुद सुरक्षा का पालन करते हैं, तो बाकी सभी श्रमिक भी उसी का अनुसरण करते हैं। सुरक्षा का वातावरण केवल नियमों से नहीं बनता बल्कि नेता के अनुकरणीय व्यवहार से बनता है।

"नेता वही जो सुरक्षा को अपनी आदत बनाए और सभी को साथ लेकर चले"

नेता की भूमिका क्या है?

निर्माण स्थल पर "नेता" कई स्तरों पर हो सकते हैं जैसे कि कार्यस्थल प्रभारी / प्रोजेक्ट मैनेजर, सुरक्षा अधिकारी (Safety Officer), सुपरवाइज़र / फोरमैन, सीनियर मजदूर (Head Mason, Head Carpenter), आदि। इन सभी की जिम्मेदारी है कि वे सुरक्षा को प्राथमिकता दें और दूसरों के लिए उदाहरण बनें।

एक कुशल और गुणवान नेता के कार्य:

- स्वयं हमेशा हेलमेट, जूते और अन्य जरूरी PPE पहनें।
- असुरक्षित कार्य या स्थिति देखकर तुरंत रोकें।
- श्रमिकों को खुलकर बोलने का मौका दें।
- गलती करने पर डाँटने के बजाय समझाएँ।
- अच्छे व्यवहार और सुरक्षा का पालन करने वाले श्रमिकों की प्रशंसा करें।

"नेतृत्व का मतलब आदेश देना नहीं - प्रेरित करना है"

कई बार कार्यस्थल पर अधिकारी केवल "आदेश" देते हैं - लेकिन विज़न जीरो विचार कहता है कि सच्चा नेतृत्व "प्रेरणा" से आता है। नेता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि टीम केवल डर से नहीं, बल्कि समझ और विश्वास से सुरक्षा का पालन करें।

उदाहरण:

अगर सुपरवाइज़र खुद सुरक्षा बेल्ट पहने बिना मचान पर चढ़ता है, तो बाकी लोग भी नियम तोड़ेंगे। लेकिन अगर वह सही तरीका अपनाता है एवं दूसरों को सिखाता है, तो सभी ठीक तरह से कार्य करेंगे।

एक अच्छा नेता:

- स्वयं सुरक्षा को प्राथमिकता देने की भावना रखता है।
- अपने व्यवहार से "जीरो हानि संस्कृति" बनाता है।
- यह सिखाता है कि हर काम सुरक्षित तरीके से ही पूरा होना चाहिए।

नेतृत्व के तीन मूल सिद्धांत

सिद्धांत	विवरण
1. **उदाहरण बनें** (Lead by Example)	जो नेता खुद नियमों का पालन करता है, उसी की बात मानी जाती है। स्वयं हमेशा PPE पहनें, सुरक्षा बेल्ट लगाएँ तथा कार्यस्थल पर अनुशासन रखें।
2. **श्रमिकों को शामिल करें** (Involve Workers)	हर सुरक्षा निर्णय में श्रमिकों को शामिल करें। उनसे पूछें कि वे किन खतरों का सामना करते हैं?
3. **लगातार संवाद करें** (Communicate Regularly)	रोज़ाना 5-10 मिनट की "टूल बॉक्स टॉक" करें, जहाँ सबको बताया जाए कि आज क्या काम है और क्या सावधानियाँ रखनी हैं।

टूल बॉक्स टॉक (Toolbox Talk) का महत्व

टूल बॉक्स टॉक का मतलब है कि कार्य शुरू करने से पहले 5-10 मिनट की छोटी बैठक, जिसमें कामगारों को दिन के कार्य और उससे जुड़े खतरे समझाए जाते हैं।

कब करें: हर दिन सुबह कार्य शुरू होने से पहले

कौन करें: कार्यस्थल सुपरवाइज़र या सुरक्षा अधिकारी

कौन सुने: सभी श्रमिक

बात करने के विषय:

- आज का कार्य क्या है?
- कौन-कौन से खतरे हो सकते हैं?
- कौन-कौन से PPE जरूरी हैं?
- मौसम की स्थिति (गर्मी, सर्दी या बारिश)।
- अगर कोई दुर्घटना हो तो क्या करना है।

"हर दिन की सुरक्षा चर्चा
हर दिन का सुरक्षित काम"

प्रतिबद्धता (Commitment) की अभिव्यक्ति कैसे करें

नेता की प्रतिबद्धता केवल शब्दों में नहीं, कार्यों में भी दिखनी चाहिए। प्रतिबद्धता दिखाने के उदाहरण

- सुरक्षा निरीक्षण में खुद भाग लें।
- PPE वितरण के समय स्वयं मौजूद रहें।
- सुरक्षा बोर्ड और चेतावनी संकेत लगवाएँ।
- श्रमिकों को प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था करें।
- दुर्घटना होने के कारण जानें, दोषारोपण न करें।

एक अच्छा नेता कहता है:

"काम रुक सकता है, लेकिन सुरक्षा में चूक नहीं होनी चाहिए।"

कार्यस्थल पर नेतृत्व के व्यवहार का मूल्यांकन

कार्यस्थल पर सुरक्षा नेतृत्व का मूल्यांकन (Leadership Review) होना चाहिए। इसमें देखें कि क्या सुपरवाइज़र स्वयं PPE पहनते हैं? क्या टूल बॉक्स टॉक नियमित हो रही है? क्या असुरक्षित कार्य तुरंत रोका जाता है? क्या श्रमिकों की शिकायतें सुनी जाती हैं? क्या सुरक्षा बोर्ड और पोस्टर अपडेट हैं? क्या कामगारों के पास उचित निजी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध है? अगर जवाब "हाँ" है, तो कार्यस्थल में अच्छा नेतृत्व है।

प्रेरक संदेश

"नेतृत्व का मतलब आगे चलना नहीं, बल्कि सबसे पहले सुरक्षा की राह दिखाना है"

हर निर्माण स्थल का नेता यह सोचे कि उसके नेतृत्व में कोई भी दुर्घटना न हो। अगर नेतृत्व सही दिशा में है, तो विज़न जीरो अपने आप हासिल हो जाता है।

दूसरा अनमोल नियम (Golden Rule 2)

खतरे पहचानें – जोखिम नियंत्रित करें

(Identify Hazards - Control Risks)

निर्माण कार्य में हर दिन अलग-अलग तरह के खतरे मौजूद रहते हैं जैसे कभी ऊँचाई पर काम करना, कभी मशीन चलाना, कभी बिजली से जुड़ा काम या खुदाई का कार्य। इनमें से कोई भी काम सही सावधानी के बिना किया जाए, तो दुर्घटना हो सकती है।

इसलिए विज़न जीरो का दूसरा नियम कहता है –

"हर खतरे को पहले पहचानो, फिर उसे नियंत्रित करो।"

अगर खतरे को पहले ही समझ लिया जाए, तो उसे रोकना बहुत आसान हो जाता है। ऐसा करना हर श्रमिक, सुपरवाइज़र और इंजीनियर के लिए ज़रूरी है।

खतरा क्या है? (What is a Hazard?)

खतरा (Hazard) वह कोई भी चीज़ या स्थिति है जो किसी व्यक्ति को चोट, बीमारी या नुकसान पहुँचा सकती है।

उदाहरण: बिना रेलिंग के ऊँचा स्थान, बिजली के खुले तार, बिना हेलमेट के काम करना, बिना गार्ड के मशीन के घूमते ब्लेड, फिसलन भरी ज़मीन, धूल या गैस से भरा क्षेत्र आदि।

जोखिम क्या है? (What is a Risk?)

जोखिम (Risk) का मतलब है — खतरे से होने वाली **संभावित हानि (Probability of Harm)** यानी, अगर खतरा मौजूद है, तो उससे दुर्घटना होने की कितनी संभावना है।

उदाहरण: अगर मचान पर रेलिंग नहीं है।

खतरा = गिरने का

जोखिम = कितना ज्यादा है, कितने लोग काम कर रहे हैं, सुरक्षा बेल्ट है या नहीं - इसके आधार पर जोखिम बढ़ या घट सकता है।

खतरा पहचानने के मुख्य चरण (Steps of Hazard Identification)

हर कार्य से पहले, सुपरवाइज़र और श्रमिक मिलकर खतरों की पहचान और जोखिम मूल्यांकन करें (HIRA -Hazard Identification and Risk Assessment)।

चरण	विवरण
1) **कार्य को समझें**	क्या काम होना है, कहाँ और कौन करेगा, यह तय करें।
2) **संभावित खतरे पहचानें**	हर कार्य से जुड़े सभी खतरों की सूची बनाएं।
3) **जोखिम का मूल्यांकन करें**	देखें कौन-सा खतरा कितना बड़ा है। (High, Medium, Low)
4) **नियंत्रण के उपाय तय करें**	कौन-से कदम उठाने से जोखिम घटेगा, यह तय करें।
5) **लगातार निरीक्षण करें**	समय-समय कार्यस्थल पर जांच करते रहें कि सारे नियम लागू हैं या नहीं।

जोखिम का मूल्यांकन (Risk Assessment)

जोखिम को समझने के लिए **Risk Matrix** का उपयोग किया जाता है।

संभावना (Probability)	प्रभाव (Impact)	जोखिम स्तर (Risk Level)
कम	हल्का	Low
मध्यम	मध्यम	Medium
अधिक	गंभीर	High
बहुत अधिक	मृत्यु	Critical

जब तक कि सभी सुरक्षा के उपाय पूरे न हों, ऊंचाई या अत्यधिक खतरे वाले कार्यों को तुरंत रोका जाना चाहिए।

खतरे को नियंत्रित करने के 5 चरण (Hierarchy of Controls)

विज़न जीरो के अनुसार, खतरे को नियंत्रित करने का सर्वोत्तम तरीका है - **Hierarchy of Controls (नियंत्रण की प्राथमिकता)** अपनाना:

क्रम	नियंत्रण का प्रकार
1. **खतरा समाप्त करना (Elimination)**	ऊँचाई पर काम की ज़रूरत ही खत्म करना, जैसे ज़मीन पर असेंबली करना।
2. **विकल्प अपनाना (Substitution)**	जहरीले केमिकल की जगह कम हानिकारक पदार्थ का प्रयोग।
3. **इंजीनियरिंग नियंत्रण (Engineering Control)**	गार्ड रेल, मशीन कवर, या सेफ्टी नेट लगाना।
4. **प्रशासनिक नियंत्रण (Administrative Control)**	शिफ्ट बदलना, प्रशिक्षण देना, चेतावनी बोर्ड लगाना।
5. **व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE)**	हेलमेट, बेल्ट, दस्ताने, जूते आदि।

याद रखें – PPE **अंतिम सुरक्षा उपाय** है, पहला नहीं।

निर्माण कार्य में आम खतरे (Common Hazards in Construction)

कार्य का प्रकार	सामान्य खतरे	नियंत्रण उपाय
ऊँचाई पर कार्य	गिरना, वस्तु और औज़ार गिरना	मचान मजबूत रखें, सेफ्टी बेल्ट लगाएँ, गार्ड रेल लगाएँ।
विद्युत कार्य	बिजली का झटका	इन्सुलेटेड दस्ताने, ELCB, सही अर्थिंग
खुदाई (Excavation)	गड्ढा धँसना, गैस रिसाव	शोरिंग करें , गैस जाँचें, चेतावनी पट्टी लगाएँ
सीमेंट कंक्रीट	सीमेंट से जलन	दस्ताने पहनें
वेल्डिंग / कटिंग	चिंगारी, आग, धुआँ	फेस शील्ड, अग्निशामक, वेंटिलेशन
क्रेन / लिफ्टिंग	ओवरलोडिंग, गिरना	लोड टेस्ट सर्टिफिकेट, सिग्नलमैन, टेग लाइन

"सुरक्षा निरीक्षण" (Safety Inspection) का महत्व

हर कार्यस्थल का उचित अंतराल पर निरीक्षण होना चाहिए। सुरक्षा अधिकारी और सुपरवाइज़र निम्न बातों की जांच करें:

- क्या सभी मचान मजबूत हैं ?
- क्या बिजली के तार सुरक्षित हैं ?
- क्या श्रमिक PPE पहन रहे हैं ?
- क्या फायर एक्सटिंग्विशर सही काम कर रहे हैं ?
- क्या रास्ते साफ हैं, फिसलन या बाधा तो नहीं हैं ?

निरीक्षण रिपोर्ट उचित अंतराल पर जमा होनी चाहिए ताकि तुरंत सुधार हो सके।

श्रमिक की जिम्मेदारी (Worker Responsibility in Hazard Reporting)

हर श्रमिक की यह जिम्मेदारी है कि वह किसी भी खतरे या असुरक्षित स्थिति को तुरंत बताए। जैसे कि यदि कोई तार खुला है, मचान डगमगा रहा है या PPE नहीं है - सपरवाइज़र को तुरंत सूचित करें।

"देखो – बताओ – बचाओ" यही सिद्धांत है" "सुरक्षा बताने में डर नहीं, गर्व होना चाहिए"

प्रेरक संदेश

"खतरे को समझना ही सुरक्षा की शुरुआत है"

"जो खतरे को पहचानता है, वही दुर्घटना से बचता है"

हर दिन, हर कार्य से पहले 2 मिनट रुककर यह सोचें-

"क्या यह कार्य सुरक्षित है ? क्या मैं सही तरीके से कार्य कर रहा हूँ"

अगर उत्तर 'नहीं' है, तो तुरंत रोकें और सुधार करें।

तीसरा अनमोल नियम (Golden Rule 3)

लक्ष्य तय करें - योजना बनाएँ

(Define Targets – Develop Programmes)

किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए **स्पष्ट लक्ष्य (Goals Clarity)** होना जरूरी है। अगर हमें पता ही नहीं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं, तो रास्ता कितना भी सही क्यों न हो - मंज़िल नहीं मिलेगी। इसी तरह, सुरक्षा (Safety) के क्षेत्र में भी विज़न जीरो कहता है कि आपको यह तय करना होगा कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं – और उसके लिए योजना बनानी होगी।

हर निर्माण स्थल पर सुरक्षा के लिए स्पष्ट और मापने योग्य लक्ष्य तय करने चाहिए - जैसे कि "सभी श्रमिकों का 100% PPE पालन", "हर हफ्ते एक सुरक्षा प्रशिक्षण" आदि।

सुरक्षा लक्ष्य क्यों जरूरी हैं?

लक्ष्य तय करने से तीन बड़े फायदे होते हैं:

1. **दिशा मिलती है:** सभी को पता रहता है कि हमें किस दिशा में जाना है।
2. **प्रेरणा मिलती है:** जब लक्ष्य सामने होता है, तो उसे पाने की भावना आती है।
3. **मापना आसान होता है:** हम देख सकते हैं कि कितना काम हुआ और कहाँ सुधार की जरूरत है।

"जहाँ लक्ष्य स्पष्ट होता है, वहाँ सुधार स्वाभाविक होता है"

सुरक्षा लक्ष्य कैसे तय करें (How to Define Safety Targets)

लक्ष्य तय करते समय उन्हें **SMART** होना चाहिए —

शब्द	अर्थ	उदाहरण
S	Specific (स्पष्ट)	"सभी मजदूरों को हर 6 महीने में प्रशिक्षण देना"
M	Measurable (मापने योग्य)	"हर सप्ताह कम से कम 1 निरीक्षण करना"
A	Achievable (साध्य)	"सुबह 10 मिनट की टूल बॉक्स टॉक करना"
R	Realistic (व्यवहारिक)	"इस तिमाही में PPE उपयोग 90% से ऊपर रखना"
T	Time-bound (समय-सीमा)	"हर 3 महीनों में फर्स्ट एड बॉक्स अपडेट करना"

SMART लक्ष्य हमेशा स्पष्ट, यथार्थवादी और टीम द्वारा समझे जाने योग्य होने चाहिए।

सुरक्षा कार्यक्रम (Safety Programme) कैसे बनाएं ?

लक्ष्य तय करने के बाद सबसे जरूरी है – **कार्यक्रम (Programme)** बनाना, जिससे लक्ष्य पूरा किया जा सके।

सुरक्षा कार्यक्रम में शामिल बातें:

1. **प्रशिक्षण कार्यक्रम:** हर श्रमिक को इंडक्शन, फायर सेफ्टी और फर्स्ट एड का प्रशिक्षण देना।
2. **निरीक्षण कार्यक्रम:** कार्यस्थल का साप्ताहिक निरीक्षण निश्चित तारीख पर करना।
3. **प्रेरणा कार्यक्रम:** "सुरक्षित श्रमिक पुरस्कार" जैसी योजनाएँ लागू करना।
4. **दुर्घटना विश्लेषण:** हर छोटी-बड़ी घटना की रिपोर्ट और सुधार योजना बनाना।
5. **वार्षिक सुरक्षा समीक्षा:** हर साल लक्ष्य की समीक्षा और नए लक्ष्य तय करना।

मासिक सुरक्षा योजना (Monthly Safety Plan)

हर प्रोजेक्ट कार्यस्थल पर मासिक सुरक्षा योजना (Monthly Safety Plan) तैयार की जानी चाहिए। नीचे इसका एक उदाहरण दिया गया है:

माह	मुख्य गतिविधि	जिम्मेदार व्यक्ति	स्थिति
जनवरी	सभी मशीनों की सुरक्षा जांच	कार्यस्थल इंजीनियर	✓ पूरी हुई
फरवरी	ऊँचाई कार्य प्रशिक्षण	सेफ्टी ऑफिसर	↻ प्रगति में
मार्च	फायर ड्रिल अभ्यास	सुपरवाइज़र	✓ पूरी हुई
अप्रैल	PPE वितरण	ठेकेदार	✗ लंबित

इस प्रकार, जब योजना लिखित और स्पष्ट होती है, तो उसका पालन आसान हो जाता है। सुरक्षा लक्ष्य केवल ऑफिस में बैठकर तय नहीं किए जाने चाहिए। इनमें श्रमिकों की राय और अनुभव भी शामिल होना चाहिए। जो मजदूर कार्यस्थल पर काम करते हैं, वास्तव में वही जानते हैं कि वास्तविक खतरे कहाँ हैं।

श्रमिकों की भागीदारी से वास्तविक समस्याएँ सामने आती हैं। श्रमिक लक्ष्य को अपना मानते हैं इसी लिए अनुशासन तथा पालन स्वतः बढ़ जाता है।

"जब लक्ष्य सबका होता है, तो सफलता भी सबकी होती है"

सुरक्षा निष्पादन की समीक्षा (Safety Performance Review)

हर महीने और हर तिमाही में सुरक्षा निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए। इसमें देखा जाए कि तय किए गए लक्ष्य पूरे हुए या नहीं।

समीक्षा के बिंदु:

- कितनी दुर्घटनाएँ हुई ?
- कितने श्रमिकों को प्रशिक्षण मिला ?
- PPE का पालन प्रतिशत क्या रहा?
- कितने निरीक्षण पूरे हुए ?
- और कितनी असुरक्षित स्थितियाँ सुधारी गई ?

परिणाम के आधार पर ही सुधार योजना (Improvement Plan) बनाई जाए।

सुरक्षा आँकड़ों का रिकॉर्ड (Safety Records)

हर कार्यस्थल पर दुर्घटना रजिस्टर (Accident Register), निकट दुर्घटना (Near-Miss) रजिस्टर, PPE वितरण रजिस्टर, प्रशिक्षण रजिस्टर, सुरक्षा निरीक्षण रिपोर्ट, फर्स्ट एड रिपोर्ट आदि रजिस्टर और रिकॉर्ड रखें।

इन रिकॉर्ड्स से यह पता चलता है कि सुरक्षा प्रणाली कहाँ मजबूत है और कहाँ सुधार की ज़रूरत है।

प्रेरक उदाहरण

एक कार्यस्थल पर "हर महीने शून्य दुर्घटना (Zero Accident)" का लक्ष्य रखा गया। टीम ने हर दिन मचान की जाँच की, बेल्ट उपयोग अनिवार्य किया, और "Safety Talk" आयोजित किया। तीन महीने में परिणाम - **शून्य दुर्घटना**।

टीम को "सुरक्षा योजना" का सम्मान प्रमाणपत्र मिला ।

"जब लक्ष्य स्पष्ट और पालन दृढ़ हो, तो सफलता तय है"

प्रेरक संदेश

"बिना लक्ष्य के सुरक्षा अधूरी है, और बिना योजना के लक्ष्य बेकार"

हर परियोजना को यह नारा अपनाना चाहिए

"सुरक्षा हमारा सिर्फ लक्ष्य नहीं, हमारी जीवन शैली (आदत) है"

चौथा अनमोल नियम (Golden Rule 4)

सुरक्षित और सशक्त प्रणाली सुनिश्चित करें

(Ensure a Safe and Healthy System - Be Well Organized)

एक साफ-सुथरा और सुसज्जित कार्यस्थल हमेशा सुरक्षित होता है। जहाँ काम की जगह पर सामान बिखरा हो, रास्ते गंदे हों या उपकरण यहाँ-वहाँ पड़े हों, वहाँ दुर्घटना होना तय है। विज़न जीरो का चौथा अनमोल नियम कहता है –

"सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए कार्यस्थल को व्यवस्थित और नियंत्रित रखें"

अच्छी गृह व्यवस्था (Good Housekeeping) - सुरक्षा की पहली सीढ़ी

निर्माण स्थल पर अच्छी गृह व्यवस्था का मतलब केवल साफ -सफाई ही नहीं, बल्कि सामान, रास्ते, औज़ार और कचरे की सही व्यवस्था है।

अच्छी गृह व्यवस्था से फिसलने और ठोकर लगने की दुर्घटनाएँ नहीं होती, काम करने की गति बढ़ती है, श्रमिकों का मनोबल ऊँचा रहता है, और निरीक्षण में कार्यस्थल की छवि बेहतर दिखती है।

खराब गृह व्यवस्था से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, औज़ार और सामग्री खराब हो जाती है तथा समय की बर्बादी होती है।

"साफ-सुथरा कार्य स्थल - सुरक्षित साइट"

कार्यस्थल पर सफाई और व्यवस्था के नियम

क्षेत्र	ध्यान देने योग्य बातें	जिम्मेदार व्यक्ति
रास्ते और गलियारे	फिसलन न हो, रास्ते साफ और खुले हो	श्रमिक और सुपरवाइज़र
भंडारण क्षेत्र (Storage Area)	सामान वर्गीकृत करके रखें, भारी वस्तुएँ नीचे	स्टोर कीपर
कचरा निपटान (Waste Disposal)	रोजाना हटाएँ, डिब्बे ढके रहें	हाउसकीपिंग टीम
मचान और कार्य प्लेटफॉर्म	उपकरण और मलवा जमा न हो	फोरमैन
सुरक्षा संकेतक (Sign Boards)	साफ और स्पष्ट हों	सेफ्टी ऑफिसर /सुपरवाइज़र

कार्यस्थल पर संगठन प्रणाली (Site Organization System)

सुरक्षा तभी टिकाऊ बन सकती है जब कार्यस्थल पर एक संगठित व्यवस्था (Systematic Organization) हो। इसके कुछ मुख्य बिंदु जैसे की काम की स्पष्ट जिम्मेदारी तय करना, सामान कहाँ से आएगा और कहाँ रखा जाएगा, आपात स्थिति में सभी को निकास द्वार पता हो, आदि।

स्वास्थ्य और स्वच्छता (Health & Hygiene)

सुरक्षा केवल बाहरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और स्वच्छता से भी जुड़ी है। एक बीमार या थका हुआ मजदूर खतरे का शिकार हो सकता है।

मुख्य बातें:

- कार्यस्थल पर पीने का स्वच्छ पानी उपलब्ध हो।
- शौचालय और हाथ धोने की व्यवस्था साफ-सुथरी हो।
- धूल और धुएं से बचने के लिए मास्क का प्रयोग हो।
- गर्मी में पर्याप्त विश्राम और छाया की व्यवस्था हो।
- प्राथमिक चिकित्सा (First Aid) बॉक्स हर कार्य क्षेत्र में हो।

स्वास्थ्य और सुरक्षा हमें प्रगति की निरंतरता देती है

आग और आपात स्थिति की व्यवस्था (Fire & Emergency Preparedness)

एक संगठित कार्यस्थल पर हमेशा आपातकाल से निपटने की तैयारी होती है।

तैयारी के कदम जैसे की फायर एक्सटिंग्विशर हर 15 मीटर की दूरी पर लगाए जाएँ, फायर ड्रिल (Fire Drill) हर 3 महीने में एक बार जरूर की जाए, आपातकालीन फोन नंबर बोर्ड पर लिखे हों, निकासी मार्ग (Exit Route) पर कोई रुकावट न हो, सुरक्षा अलार्म और संकेतक हमेशा चालू स्थिति में हों, आदि।

"आपात स्थिति में घबराएँ नहीं – प्लान पर अमल करें"

सुपरवाइज़र की भूमिका

कार्यस्थल को संगठित रखने में सुपरवाइज़र की भूमिका बहुत अहम है।

एक कुशल सुपरवाइज़र की जिम्मेदारियाँ

- हर सुबह कार्यस्थल का निरीक्षण करना।
- मचान, उपकरण, और रास्ते की स्थिति जाँचना।
- हाउसकीपिंग टीम को निर्देश देना।
- कार्य समाप्ति के बाद सफाई सुनिश्चित करना।
- खराब औज़ार या सामग्री हटाना ।

हाउसकीपिंग चेकलिस्ट

☐ क्या सभी रास्ते खुले और साफ हैं?

☐ क्या कचरा और मलवा रोज हटाया जा रहा है?

☐ क्या स्टोर में सामान सही ढंग से रखा है?

☐ क्या सभी चेतावनी बोर्ड लगे हैं और साफ हैं?

☐ क्या फायर एक्सटिंग्विशर अपनी जगह पर हैं?

☐ क्या प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स मे सामान भरा हुआ है?

☐ क्या कोई फिसलन या लीक नहीं है?

अगर उत्तर 'नहीं' है, तो तुरंत रोकें और सुधार करें।

छोटे-छोटे सुधारो से बड़े-बड़े बदलाव

- काम खत्म होने पर औज़ार वापस रखें।
- गिरे हुए तार, कील या बोल्ट तुरंत उठाएँ।
- मचान के नीचे कभी सामग्री न रखें।
- पानी या तेल गिरने पर तुरंत पोंछें।

"छोटी सी सावधानी – बड़ी सुरक्षा"

प्रेरक संदेश

"जहाँ सफाई और अनुशासन है, वहाँ दुर्घटना का कोई स्थान नहीं है"

हर श्रमिक, सुपरवाइज़र, इंजीनियर और ठेकेदार यह सोचें कि-

"मैं अपनी कार्यस्थल को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने में क्या योगदान दे रहा हूँ"

पाँचवाँ अनमोल नियम (Golden Rule 5)

मशीन, उपकरण और कार्यस्थल को सुरक्षित रखें

(Ensure Safety and Health in Machines, Equipment and Workplace)

निर्माण स्थल पर मशीनें, उपकरण और औज़ार काम की रीढ़ होते हैं। लेकिन, अगर उनकी देखभाल ठीक से नहीं की जाए, तो ये सुरक्षा के सबसे बड़े खतरे बन जाते हैं। विज़न जीरो का पाँचवाँ अनमोल नियम कहता है कि "सभी मशीनों और उपकरणों को सुरक्षित रखें और कार्यस्थल पर संभावित खतरों को नियंत्रित करें"

सुरक्षित मशीन + सुरक्षित कार्यस्थल = दुर्घटना की संभावना - शून्य

मशीनों और उपकरणों की सुरक्षा (Machine & Equipment Safety)

कार्यस्थल पर उपयोग होने वाली मशीनें जैसे कि क्रेन, बेल्ट सैंडर, होइस्ट, कर्टिंग मशीन, आदि सभी खतरे पैदा कर सकती हैं।

मुख्य सुरक्षा उपाय:

1. **नियमित निरीक्षण (Inspection):**
    - हर मशीन को रोजाना और नियमित रूप से जांचें और टूटे हुए या खराब पार्ट्स तुरंत बदलें।
2. **सही संचालन (Proper Operation):**
    - केवल प्रशिक्षित और अधिकृत व्यक्ति ही मशीन चलाएँ और मशीन को उसकी क्षमता से अधिक न चलाएँ।
3. **सुरक्षा गार्ड (Safety Guards):**
    - हर चलती मशीन पर सुरक्षा ढक्कन, गार्ड और लॉक लगे हों।
4. **लॉकआउट /टैगआउट (LOTO – Lockout /Tagout):**
    - मशीन की मरम्मत या सफाई के दौरान ऊर्जा को अलग करें और टैग लगाएँ।

"सुरक्षित मशीन - सुरक्षित श्रमिक"

औज़ारो (Tools) की सुरक्षा

हाथ के औज़ार और छोटे उपकरण भी जोखिम पैदा कर सकते हैं।

सुरक्षा संदेश:

- हर औज़ार को रखने के लिए सही स्थान हो।
- हर श्रमिक को व्यक्तिगत औज़ार की जिम्मेदारी दें।
- खराब या टूटे औज़ार तुरंत रिपेयर या डिस्कार्ड करें।
- बिजली वाले उपकरणों में सुरक्षित तार तथा अर्थिंग हों।

कार्यस्थल की सुरक्षा (Workplace Safety)

मशीनें सुरक्षित हों, लेकिन यदि **कार्यस्थल पर खतरनाक स्थिति** है तो सुरक्षा अधूरी है।

मुख्य बिंदु:

1. **सुरक्षित मार्ग:** श्रमिकों और वाहनों के लिए अलग मार्ग।
2. **ऊँचाई पर सुरक्षा:** मचान, सीढ़ी और बालकनी पर गार्ड रेल।
3. **विद्युत सुरक्षा:** तार सुरक्षित, वायरिंग बंद और टॉर्च सही स्थिति में।
4. **रासायनिक सुरक्षा:** केमिकल और पेंट सुरक्षित कंटेनर में।
5. **अंधेरे स्थान पर रोशनी:** पर्याप्त लाइट और संकेतक।

"सुरक्षित मशीन + सुरक्षित कार्यस्थल= शून्य दुर्घटना"

मशीन संचालन प्रशिक्षण (Training for Machinery)

हर श्रमिक को मशीन और उपकरण के सुरक्षित उपयोग के लिए प्रशिक्षित होना चाहिए।

प्रशिक्षण में शामिल हों:

- मशीन का परिचय और खतरनाक हिस्से।
- सुरक्षा गार्ड और लॉकआउट /टैगआउट प्रक्रिया।
- आपातकालीन स्थिति में मशीन बंद करना।
- व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) का उपयोग।

नियम:

"अगर मशीन को चलाने के लिए प्रशिक्षित नहीं है तो उसे न चलाएँ"

आपातकालीन स्थिति और मरम्मत (Emergency & Maintenance)

मरम्मत और आपातकाल में सुरक्षा:

- जब तक मरम्मत न हो, खराब मशीन को चालू न करें।
- बिजली बंद करें और टैग लगाएँ (LOTO)
- मरम्मत करने वाला प्रशिक्षित हो।
- मरम्मत के बाद निरीक्षण करें।

सुरक्षा चेकलिस्ट (Safety Checklist)

☐ क्या मशीन पर सुरक्षा गार्ड लगे हैं?
☐ क्या मशीन सही और स्थिर स्थिति में है?
☐ क्या तार और पावर टूल सुरक्षित हैं?
☐ क्या औज़ार सही जगह पर हैं?
☐ क्या मचान और ऊँचाई पर कार्य करना सुरक्षित हैं?
☐ क्या सिर्फ प्रशिक्षण प्राप्त श्रमिक ही मशीन चला रहे हैं?
☐ क्या आपके पास आपातकालीन फोन नंबर और फायर एक्सटिंग्विशर हैं?

अगर उत्तर 'नहीं' है, तो तुरंत रोकें और सुधार करें।

प्रेरक उदाहरण (Motivational Example)

एक कार्यस्थल पर क्रेन के ब्लेड में ढीला बोल्ट था। सुपरवाइज़र ने नियमित निरीक्षण में इसे देखा और तुरंत ठीक करवाया। इससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई तथा श्रमिक और मशीन दोनों सुरक्षित रहे।

"एक छोटी सी जाँच - एक बड़ी सुरक्षा"

प्रेरक संदेश

"सुरक्षित मशीन, सुरक्षित औज़ार – यही है विज़न जीरो का आधार"

हर श्रमिक को याद रखना चाहिए कि-

"मशीन, औज़ार और उपकरण हमारे है, इनकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है"

छठा अनमोल नियम (Golden Rule 6)

श्रमिकों की योग्यता बढ़ाएँ, कौशल –विकास करें

(Ensure Competence of Workers – Training & Awareness)

सुरक्षा केवल नियम बनाने या उपकरण सुरक्षित रखने से नहीं आती। सबसे महत्वपूर्ण है श्रमिकों का ज्ञान एवं कौशल (Knowledge & Competence)

विज़न जीरो का छठा अनमोल नियम कहता है कि-
"सभी श्रमिकों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुसार प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान करें, ताकि वे सुरक्षित और स्वस्थ रहें"

"प्रशिक्षित श्रमिक = सुरक्षित कार्यस्थल"

प्रशिक्षण क्यों जरूरी है?

प्रशिक्षण से श्रमिक संभावित खतरे (Hazards) को पहचानना, सुरक्षित कार्य करने के सही तरीके, उपकरण और मशीनों का सुरक्षित उपयोग, आपातकालीन प्रतिक्रिया (Emergency Response), PPE का सही उपयोग, आदि सीखते हैं।

"जागरूक श्रमिक - सुरक्षित श्रमिक"

प्रशिक्षण के प्रकार (Types of Training)

प्रकार	उद्देश्य	उदाहरण
इंडक्शन ट्रेनिंग	नए श्रमिकों को कार्यस्थल और सुरक्षा नियम से परिचित कराना	PPE पहनने का तरीका, प्राथमिक चिकित्सा, सुरक्षा संकेत
जॉब स्पेसिफिक ट्रेनिंग	कार्य विशेष के लिए आवश्यक कौशल	मचान पर काम, क्रेन संचालन, बिजली उपकरण
रिफ्रेशर ट्रेनिंग	मौजूदा ज्ञान को अद्यतन करना	हर 6 महीने में सुरक्षा नियम दोहराना
आपातकालीन प्रशिक्षण	दुर्घटना या आपदा में प्रतिक्रिया	फायर ड्रिल, फर्स्ट एड, निकासी प्रक्रिया
सामान्य सुरक्षा जागरूकता	सभी श्रमिकों को सामान्य सुरक्षा नियम समझाना	हाथ धोना, जला हुआ केमिकल, फिसलन रोकना

प्रशिक्षण की प्रक्रिया (Training Process)

1. **शुरुआत – परिचय (Introduction):**
   – कार्यस्थल और परियोजना की जानकारी दें।
   – सुरक्षा नीति और विज़न जीरो का परिचय दें।
2. **मुख्य प्रशिक्षण (Core Training):**
   – PPE का सही उपयोग।
   – औज़ार और मशीन का सुरक्षित उपयोग।
   – ऊँचाई और फिसलन से बचाव।
3. **व्यावहारिक अभ्यास (Practical Demonstration):**
   – मशीन चलाना, मचान पर काम करना, फायर ड्रिल करना आदि।
4. **जाँच और मूल्यांकन (Assessment):**
   – श्रमिकों से मौखिक या लिखित प्रश्न।
   – प्रदर्शन देखकर प्रशिक्षण की पुष्टि।
5. **प्रमाणन (Certification):**
   – सफल प्रशिक्षण के बाद श्रमिक को प्रमाणपत्र।
   – प्रमाणपत्र का रिकॉर्ड कार्यस्थल पर रखें।

श्रमिकों की जिम्मेदारी (Worker Responsibility)

प्रशिक्षण केवल संगठन की जिम्मेदारी नहीं है। श्रमिकों को भी सुरक्षा का पालन करना चाहिए।

- हमेशा PPE पहनें।
- कोई भी कार्य सुपरवाइज़र की निगरानी में करें।
- नियमों और संकेतों का पालन करें।
- नए ज्ञान को अपने साथियों में साझा करें।
- किसी भी जोखिम को तुरंत रिपोर्ट करें।

"प्रशिक्षित श्रमिक – अपनी और दूसरों की सुरक्षा का प्रहरी"

जागरूकता और संस्कृति (Awareness & Safety Culture)

सिर्फ प्रशिक्षण पर्याप्त नहीं है। कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति (*Safety Culture*) विकसित करना बहुत जरूरी है।

सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक संस्कृति कैसे बनाएँ

- नियमित सुरक्षा मीटिंग और टूल-बॉक्स टॉक करें।
- "सुरक्षित कार्यकर्ता पुरस्कार" जैसी प्रेरक योजनाएँ बनाये।
- दुर्घटनाओं और near-miss की समीक्षा करें और सीख को साझा करें।
- सुरक्षा संकेतक और पोस्टर पूरे कार्यस्थल पर लगाये।

"सुरक्षा सिर्फ नियम नहीं, आदत बनाये"

रिकॉर्ड और निगरानी (Record & Monitoring)

प्रशिक्षण का रिकॉर्ड रखना आवश्यक है जैसे कि –

- किस - किस ने प्रशिक्षण में भाग लिया ?
- क्या और किस प्रकार का प्रशिक्षण मिला ?
- परीक्षा या मूल्यांकन का परिणाम।
- प्रशिक्षण वार्षिक कार्यक्रम।

☞ याद रहे -

- प्रशिक्षण का प्रभाव कार्यस्थल पर दिखना चाहिए।
- निरीक्षण में गलतियाँ कम होनी चाहिए।
- PPE का उपयोग लगातार होना चाहिए।

प्रेरक उदाहरण (Motivational Example)

एक कार्यस्थल पर नई मशीन आई। श्रमिकों को बिना प्रशिक्षण के चलाने की अनुमति दी गई।

परिणाम– दुर्घटना और मशीन का नुकसान।

इसके बाद, सभी श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया गया, अगले तीन महीने में मशीन का उपयोग बिल्कुल सुरक्षित और दुर्घटना रहित रहा ।

"शिक्षा = सुरक्षा + जीवन बचाने की ताकत"

प्रेरक संदेश

"प्रशिक्षित श्रमिक – सुरक्षित कार्यस्थल", "जागरूक श्रमिक – शून्य दुर्घटना"

सातवाँ अनमोल नियम (Golden Rule 7)

श्रमिकों में निवेश करें - सहभागिता से प्रेरित करें

(Invest in Workers - Motivate by Participation)

किसी भी संगठन में मशीनें, तकनीक और नियम तभी प्रभावी होते हैं जब लोग उन्हें सही तरीके से अपनाते हैं। विज़न जीरो का यह सिद्धांत मानता है कि दुर्घटनाएँ केवल तकनीकी विफलता से नहीं, बल्कि मानवीय उपेक्षा, थकान, दबाव और सहभागिता की कमी से भी होती हैं। "लोगों में निवेश" करने का अर्थ केवल धन खर्च करना ही नहीं है, बल्कि समय, सम्मान, प्रशिक्षण, संवाद और विश्वास में निवेश करना है।

जब कर्मचारी यह महसूस करते हैं कि उनकी सुरक्षा महत्वपूर्ण है, उनकी बात सुनी जाती है, वे निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा हैं, तो वे स्वयं सुरक्षा के संरक्षक (Safety Champions) बन जाते हैं।

श्रमिकों में निवेश का वास्तविक अर्थ

श्रमिकों को केवल आदेश मानने वाला नहीं, बल्कि सुरक्षा के साझेदार के रूप में देखना चाहिए।

सहभागिता क्यों ज़रूरी है

- कर्मचारी ही वास्तविक खतरों को सबसे पहले देखते हैं।
- प्रबंधन से पहले जोखिमों का अनुभव कर्मचारियों को होता है।
- सहभागिता से नियम व्यवहार में उतरते हैं।

☞ **निष्कर्ष:** बिना सहभागिता के सुरक्षा केवल कागज़ों में रहती है।

कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी (Active Participation)

निर्णय प्रक्रिया में शामिल करना

- सेफ्टी प्लान बनाते समय कर्मचारियों से सुझाव लेना।
- SOP (Standard Operating Procedures) बनाते समय अनुभवी कर्मियों की राय लेना।
- नई मशीन या तकनीक लाने से पहले उपयोगकर्ताओं से चर्चा करना।

दैनिक सुरक्षा गतिविधियों में भागीदारी

- टूल बॉक्स टॉक
- शिफ्ट से पहले सेफ्टी चर्चा
- दैनिक जोखिम पहचान अभ्यास

लाभ:

- कर्मचारियों में स्वामित्व की भावना
- नियमों का स्वेच्छा से पालन
- छिपे खतरों की पहचान

सुझाव और शिकायत प्रणाली (Suggestion & Feedback System)

खुला और डर-मुक्त वातावरण

कर्मचारी तभी बोलेंगे जब:

- उन्हें दंड का भय न हो।
- गलती बताने पर सज़ा न मिले।
- प्रबंधन सकारात्मक रवैया रखे।

सुझाव लेने के तरीके

- सुझाव पेटी
- ओपन मीटिंग
- व्हाट्सएप / डिजिटल प्लेटफॉर्म
- अनाम (Anonymous) शिकायत प्रणाली

सुझावों पर कार्यवाही

- हर सुझाव का उत्तर
- लागू किए गए सुझावों की जानकारी
- नाम लेकर प्रशंसा

☞ **याद रखें:** श्रमिकों को सुना जाना भी निवेश है।

प्रशिक्षण और क्षमता विकास (Training & Competency Development)

नियमित और व्यावहारिक प्रशिक्षण

- केवल क्लास रूम नहीं, ऑन-जॉब ट्रेनिंग
- वास्तविक घटनाओं पर आधारित प्रशिक्षण
- भाषा और साक्षरता स्तर के अनुसार सामग्री

प्रशिक्षण के विषय

- कार्यस्थल के खतरे
- सुरक्षित कार्य पद्धति
- PPE का सही उपयोग
- आपातकालीन प्रतिक्रिया
- मानसिक तनाव और थकान प्रबंधन

प्रशिक्षण का मूल्यांकन

- प्रशिक्षण के बाद फीडबैक
- व्यवहार में बदलाव का निरीक्षण
- पुनः प्रशिक्षण (Refresher Training)

सुरक्षा समितियाँ और सामूहिक जिम्मेदारी

संयुक्त सुरक्षा समिति

- प्रबंधन + श्रमिक प्रतिनिधि
- नियमित बैठक
- साइट निरीक्षण में सहभागिता

भूमिका और जिम्मेदारी

- खतरे पहचानना
- दुर्घटना की जाँच
- सुधारात्मक सुझाव देना

☞ **परिणाम:** पारदर्शिता, भरोसा और साझा उत्तरदायित्व

प्रोत्साहन और मान्यता (Motivation & Recognition)

सकारात्मक प्रोत्साहन

- सुरक्षित व्यवहार के लिए पुरस्कार
- "सेफ वर्कर ऑफ द मंथ"
- प्रमाण पत्र / प्रशंसा पत्र

क्या न करें

- ✗ दुर्घटना छिपाने के लिए इनाम
- ✗ केवल आँकड़ों पर आधारित पुरस्कार

सही दृष्टिकोण

- ✓ सुरक्षित व्यवहार को पहचानें
- ✓ जोखिम बताने वालों को सम्मान दें

प्रभावी संवाद (Effective Communication)

सरल और स्पष्ट भाषा

- तकनीकी शब्दों से बचें
- स्थानीय भाषा का प्रयोग
- चित्र, पोस्टर, वीडियो का उपयोग

संवाद के माध्यम

- सेफ्टी पोस्टर
- सेफ्टी डे / सेफ्टी वीक समारोह
- टूल बॉक्स मीटिंग
- डिजिटल डिस्प्ले

याद रखें: ☞ संवाद जितना सरल, सहभागिता उतनी मजबूत।

☞ जब कर्मचारी सुरक्षित महसूस करते हैं, तभी वे सच बताते हैं।

श्रमिकों में निवेश और सहभागिता से लाभ

- ✓ दुर्घटनाओं में कमी
- ✓ उत्पादकता में वृद्धि
- ✓ कर्मचारी संतुष्टि
- ✓ संगठन की सकारात्मक छवि
- ✓ कानूनी और वित्तीय जोखिमों में कमी

प्रेरक संदेश

"लोगों में निवेश करें – सहभागिता से प्रेरित करें"

"जब संगठन लोगों को सुनता, सिखाता, सम्मान देता है एवं साथ लेकर चलता है, तब विज़न जीरो केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि वास्तविकता बन जाता है"

स्व अवलोकन प्रश्नावली

प्रिय कामगार बंधु, कार्य-स्थल पर सम्पूर्ण सुरक्षा, स्वास्थ्य और खुशहाली के 7 अनमोल नियमों विषय में आपने पढ़ा। हमें आशा है कि आपको कार्य स्थल पर बेहतर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य नियमों के अनुपालन के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो गई होगी। स्व अवलोकन प्रश्नावली में 21 प्रश्न पूछे जा रहे हैं जिनके सही उत्तर आपको इस पुस्तिका को पढ़ने के बाद भली भांति मालूम हो गए होंगे। फिर भी कहीं कोई शक, उलझन या भ्रांति हो तो अपने साथी कामगारों, सुपरवाईजरों, सेफटी ऑफिसरों, प्रबंधकों से इस पर जरूर चर्चा करें।

1. क्या आप कार्यस्थल पर ज़रूरी पीपीई (PPE) को पहनते है तथा सुरक्षित कार्यप्रणाली और नियमों का पूर्ण रूप से अनुपालन करते हैं?
2. क्या आप अपने और अपने साथियों की बेहतर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए कार्यस्थल पर अनुकरणीय व्यवहार करते हैं?
3. क्या आप एक अकुशल कामगार को सही कार्यप्रणाली का अनुसरण करने के लिए उचित सलाह एवं प्रेरणा दायी नेतृत्व प्रदान करते हैं?
4. क्या आपको कार्य-स्थल पर पाए जाने वाले विभिन्न खतरों की जानकारी और पहचान है?
5. क्या आपको मालूम है कि खतरे की स्थिति में किस जिम्मेदार व्यक्ति को सूचित किया जाना है?
6. क्या आपको इन खतरों के दुष्प्रभावों को नियंत्रित करने के तरीकों की सही जानकारी है?
7. क्या आपको लक्ष्य -शून्य दुर्घटना, चोट, रोग, हानि और क्षति तथा सम्पूर्ण- सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं खुशहाली के लक्ष्यों की जानकारी है?
8. क्या आपको अपने उद्योग कारखाने में चलाये जा रहे विभिन्न सुरक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के विषय मे जानकारी है?
9. क्या आप स्वयं को सुरक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों का अभिन्न अंग मानते हैं?
10. क्या आप स्वीकार करते हैं कि कार्य स्थल पर दुर्घटना और उससे लगने वाली चोट, होने वाले रोग, और कल-पुर्जे तथा समय की हानि हमारी प्रगति मे एक बड़ी रुकावट हैं
11. क्या आप सहमत हैं कि एक अच्छी सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रणाली हमारे उद्योगों में होने वाली दुर्घटना, चोट, रोग, हानि और क्षति को रोक सकती है?

12. क्या आप स्वीकार करते हैं कि सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रणाली सुचारु रूप से संचालित करने से सम्पूर्ण- सुरक्षा, स्वास्थ्य और खुशहाली के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है?
13. क्या आप मानते हैं कि असुरक्षित उपकरण, मशीन, कार्य-स्थल, कार्य प्रणाली और अस्वस्थ वातावरण मे काम करने से चोट और बीमारी का ख़तरा बना रहता है?
14. क्या मशीन की मरम्मत करने के बाद यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि मशीन सुरक्षा और उत्पादन दोनों के हिसाब से उपयुक्त है कि नहीं?
15. क्या आप स्वीकार करते हैं कि यदि मशीनों पर ठीक प्रकार गार्डिंग नहीं की गई है या सुरक्षित कार्य प्रणाली नहीं बनाई गई है अथवा कामगारों को इसके बारे में ठीक प्रकार से नहीं बताया गया है तो दुर्घटना होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है?
16. क्या आप मानते हैं कि अप्रशिक्षित और अकुशल कामगार को काम करते समय दुर्घटना ग्रस्त हो जाने का खतरा ज्यादा होता है?
17. क्या आप सहमत हैं कि निरंतर कौशल विकास कर कामगार की कार्य क्षमता को बढ़ाया जा सकता है?
18. क्या आप स्वीकार करते हैं कि प्रशिक्षित और कुशल कामगार हमारे उद्योगों के उत्पादन प्रक्रिया का एक बहुमूल्य अंग है?
19. क्या आप स्वीकार करते हैं कि सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतरी के लिए सहभागिता एक महत्वपूर्ण कार्यविधि है?
20. क्या आप जानते हैं कि कार्य स्थल पर मौजूद किसी भी ख़तरे की सूचना देना, उस पर उचित कार्यवाही करना हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है?
21. क्या आप स्वीकार करते हैं कि व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को बढ़ावा देना हम सभी का नैतिक दायित्व है?

This booklet is developed for free distribution. The aim of this booklet is to enhance occupational safety, health and wellbeing of our workforce. It can be reproduced (hard or soft copy) with the prior permission from the Publisher - Indo-German Cooperation for Safety, Health and Wellbeing.